M.A. Semester III Examination, 2014
HINDI
Paper : XI

Time : Three Hours **Full Marks : 40**

Questions are of value as indicated in the margin

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए – 2×8=16

(क) बिचार्यमान ब्रह्म, देव अर्च्यमान मानियै।
अदीयमान दुख्ख, सख्ख दीयमान जानियै।
अदंडमान दीन, गर्व दंडमान भेद वै।
अपठ्यमान पापग्रंथ, पठ्यमान बेद वै।।

(ख) नहिं परागु नहिं मधुरमधु नहिं विकासु इहिं काल।
अली, कली ही सौं बंध्यौ, आगैं कौन हवाल।।
लाल, तुम्हारे विरह की अगनि अनूप, अपार।
सरसै बरसैं नीर हूँ झरहूँ मिटै न झार।।

(ग) माखन सो मन दूध सो जोवन है दधि ते अधिकै उर ईठी।
जा छवि आगे छपाकर छाछ विलोकि सुधा वसुधा सब सीठी।।
नैनन नेह चुवै कवि 'देव' बुझावति बैन बियोग अंगीठी।
ऐसी रसीली अहीरी अहै, भला क्यौं न लगै मनमोहनै मीठी।।

(घ) रावरे रूप की रीति अनूप, नयो नयो लागत ज्यौं ज्यौं निहारियै।
त्यौं इन आँखिन बानि अनोखी, अघानि कहूँ नहिं आनि तिहारियै।
एक ही जीव हुतौ सु तौ वार्‌यो, सुजान, संकोच सोच सहारियै।
रोकी रहै न, दहै घनआनंद बावरी रीझिकै हाथन हारियै।।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए— 2×12=24

(क) 'रामचन्द्रिका' की वस्तु-योजना पर अपने विचार लिखिए।

(ख) पठित दोहों के आधार पर रीतिकाल के प्रतिनिधि कवि बिहारी के महत्व का आकलन कीजिए।

(ग) 'शृंगाररस चित्रण में देव सिद्धहस्त हैं'— प्रमाणित कीजिए।

(घ) "प्रेम और सौन्दर्य-वर्णन में घनानंद अद्वितीय हैं"— सोदाहरण इस उक्ति की सार्थकता पर विचार कीजिए।